K–1090

Total Page No. : 3] **[Roll No. .....**

DMA–102

Diploma in Medical Astrology (DMA)
Ist Year Examination Dec., 2023

ज्योषि शास्त्र में रोग ज्ञान के आधार

Time : 2 Hours] [**Max. Marks :** 100

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सौ (100) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। **परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।**

खण्ड–क

(दीर्घ उत्तरीय प्रश्न) 2×26=52

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए छब्बीस (26) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. अरिष्टयोग एवं उनके प्रकारों पर प्रकाश डालिए।

2. रोगों के विशेष योगों पर विस्तार से चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

3. आयु परीक्षण के सिद्धान्तों की समीक्षा कीजिए।

4. रोगनिर्धारक मुख्य तत्वों पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

5. रोगों के प्रकार पर विचार करते हुए ग्रहों के रोगकारकत्व पर चर्चा कीजिए।

खण्ड–ख

(लघु उत्तरीय प्रश्न) 4×12=48

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बारह (12) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. आयु के प्रकारों पर संक्षिप्त में प्रकाश डालिए।

2. रोगोत्पत्ति के कालनिर्धारण पर विमर्श प्रस्तुत कीजिए।

3. मृत्यु के प्रकारों पर चर्चा करते हुए उसके समय निर्धारण पर शास्त्रोक्त पद्धति से विचार प्रस्तुत कीजिए।

4. दशा के आधार पर रोगज्ञान पर प्रकाश डालिए।

5. दिग्देश एवं काल के सापेक्ष रोग परिज्ञान पर चर्चा कीजिए।

6. स्वप्न के माध्यम से रोग का परिज्ञान कैसे किया जा सकता है ? समीक्षा कीजिए।

7. शाकुन के द्वारा रोगों का ज्ञान किस प्रकार सम्भव है ? विमर्श कीजिए।

8. रोगविचार की परम्परा पर संक्षिप्त में चर्चा प्रस्तुत कीजिए।

****